परमेश्वर का राज क्या है? (भाग 1)

बाइबल हमें क्या सिखाती है? के अध्याय 8 पर आधारित। यह किताब jw.org पर उपलब्ध है।

मकसद: जाँचिए कि आप क्या मानते हैं और ऐसा क्यों मानते हैं। देखिए कि बाइबल क्या सिखाती है और आप जो मानते हैं वह दूसरों को कैसे समझा सकते हैं।

परमेश्वर के राज के शासक हम पर राज करने के योग्य क्यों हैं?

1 जाँचिए कि आप क्या मानते हैं

कुछ लोग शायद क्या कहें?

_____

_____

आप क्या मानते हैं?

_____

_____

आप ऐसा क्यों मानते हैं?

_____

_____

www.jw.org © 2017 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

2 जानिए कि पवित्र शास्त्र क्या सिखाता है

यीशु सबसे महान राजा है।

(*सिखाती है* किताब के अध्याय 8 के पैराग्राफ 1-7 देखें।)

1 तीमुथियुस 6:15, 16 पढ़िए।

इन आयतों से कैसे पता चलता है कि यीशु आनेवाले वक्त में ऐसे बहुत-से अच्छे काम करेगा, जो आज तक किसी और शासक ने नहीं किए?

यशायाह 11:2-4 पढ़िए।

इस आयत में लिखी भविष्यवाणी से हमें कैसे पता चलता है कि यीशु किस तरह का राजा होगा?

यहोवा ने यीशु के साथ राज करने के लिए ऐसे लोगों को चुना है जो अलग-अलग देश से हैं और अलग-अलग माहौल में रहे हैं

www.jw.org © 2017 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

यहोवा ने ऐसे राजाओं को चुना है जो हमारी तकलीफें समझते हैं।

(*सिखाती है* किताब के अध्याय 8 के पैराग्राफ 8-10 देखें।)

प्रकाशितवाक्य 5:10 और 14:1, 4 पढ़िए।

इन आयतों के मुताबिक, यीशु के साथ और कौन राज करेंगे?

हमें कैसे पता कि जो लोग यीशु के साथ राज करेंगे, वे हमारी तकलीफें समझेंगे? (सुरागः प्रकाशितवाक्य 14:4ख दोबारा पढ़िए; 1 कुरिंथियों 6:9-11 से तुलना कीजिए।)

आपको क्यों पूरा यकीन है कि यीशु और 1,44,000 जन परमेश्वर के राज के शासक बनने के योग्य हैं?

www.jw.org © 2017 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

3 समझाइए कि आप क्या मानते हैं

अगर कोई कहे . . .

यीशु हज़ारों साल पहले जीया था। मुझे नहीं लगता कि उसका आज मेरी ज़िंदगी से कोई ताल्लुक है।

आप कह सकते हैं . . .

बहुत-से लोग ऐसा ही सोचते हैं। लेकिन इस बारे में मेरी राय अलग है क्योंकि . . .

_____

आप उसे कौन-सी आयत दिखा सकते हैं?

_____

वह जो मानता है उसे ध्यान में रखते हुए आप इस आयत से अपनी बात कैसे समझा सकते हैं?

_____

अगर कोई कहे . . .

स्वर्ग में पहले से ही इतने सारे फरिश्ते हैं तो फिर धरती से 1,44,000 लोगों को चुनकर स्वर्ग ले जाने का क्या मतलब?

आप कह सकते हैं . . .

ये सच है कि स्वर्ग में अनगिनत फरिश्ते हैं। लेकिन मैं मानता हूँ कि धरती से चुने गए 1,44,000 वफादार लोग हम पर राज करेंगे तो हमें ही फायदा होगा क्योंकि . . .

_____

_____

आप उसे कौन-सी आयत दिखा सकते हैं?

_____

वह जो मानता है उसे ध्यान में रखते हुए आप इस आयत से अपनी बात कैसे समझा सकते हैं?

_____

www.jw.org © 2017 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania